



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 144]
No. 144]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 6, 2000/फाल्गुन 16, 1921
NEW DELHI, MONDAY, MARCH 6, 2000/PHALGUNA 16, 1921

वित्त मंत्रालय

MINISTRY OF FINANCE

(आर्थिक कार्य विभाग)

(Department of Economic Affairs)

(पूंजी बाजार प्रभाग)

(CAPITAL MARKET DIVISION)

अधिसूचना

NOTIFICATION

नई दिल्ली, 6 मार्च, 2000

New Delhi, the 6th March, 2000

का. आ. 198(अ).—भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 (1882 का 2) की धारा 20 के खण्ड (च) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उक्त धारा के प्रयोजन के लिए प्रतिभूति के रूप में भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, मुंबई जो भारतीय औद्योगिक विकास बैंक अधिनियम, 1964 (1964 का 18) की धारा 3 के तहत स्थापित निगम है, द्वारा जारी किए जाने वाले छः सौ करोड़ रुपये से अनधिक के कुल मूल्य के अप्रतिभूत मोचनीय बांड-आई.डी.बी.आई. फ्लैक्सी बांड 8 प्राधिकृत करती है जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:—

1. आई.डी.बी.आई. रेगुलर इन्कम बांड ;
2. आई.डी.बी.आई. प्रोइंग इंस्ट बांड ;
3. आई.डी.बी.आई. फ्लोटिंग रेट बांड ;
4. आई.डी.बी.आई. इन्फ्रास्ट्रक्चर (टैक्स सेविंग) बांड

S.O. 198(E).—In exercise of the powers conferred by clause (f) of section 20 of the Indian Trusts Act, 1882 (2 of 1882), the Central Government hereby authorises the IDBI flexibond-8 comprising:—

1. IDBI Regular Income Bond;
2. IDBI Growing Interest Bond;
3. IDBI Floating Rate Bond;
4. IDBI Infrastructure (Tax Saving) Bond,

being unsecured redeemable bonds of the aggregate value not exceeding rupees six hundred crores only to be issued by the Industrial Development Bank of India, Mumbai, a corporation established under section 3 of the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964) as securities for the purpose of the said section.

[फा. सं. 6/3/सीएम/2000]

[File No. 6/3/CM/2000]

डॉ. जे. भगवती, संयुक्त सचिव

Dr. J. BHAGWATI, Jt. Secy.

